शिवाजी महाविद्यालय, हिंगोली

तह./जिला हिंगोली(महाराष्ट्र)-431513

हिन्दी विभाग

प्रा. डॉ. सुनिल कांबले
(स्नातक.,विशारद,विद्यावाचस्पति)
सहायक प्राध्यापक
E-Mail: sunilskamble1132@gmail.com

प्रा. डॉ. सुधीर वाघ
(स्नातक.,विशारद,विद्यावाचस्पति)
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
E-Mail: wagh.sudhir001@gmail.com

हिंदी विभाग

हिंदी विभाग की स्थापना जून 1998 में कॉलेज की स्थापना के साथ ही हुई थी। स्वाभाविक रूप से विभाग कॉलेज के विजन और मिशन को साझा करता है और उसी के अनुसार कार्य करता है। हमारे कॉलेज को सबसे अधिक परिभाषित करने वाली वस्तु है इसका स्थानीय क्षेत्र और संस्थापकों का विजन। हमने इन दो परिभाषित कारकों के अनुसार अपने लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित किए हैं। हमें उम्मीद है कि हमने इन मूल्यों को इतने वर्षों में आत्मसात कर लिया है कि वे विभाग के लिए दूसरी प्रकृति बन गए हैं। हमारे क्षेत्र के छात्रों की तुलना बड़े शहरों के छात्रों से करना बहुत ही अन्यायपूर्ण होगा क्योंकि आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक मानक बहुत भिन्न हैं। स्वाभाविक रूप से विभाग को इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए काम करना होगा। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने छात्रों को स्नातक की योग्यता के स्तर तक पहुँचने, भाषाई रूप से कुशल होने, साहित्य की प्रवृत्ति और परम्परा को समझते हुए जीवन मूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना, प्राद्यौगिकी के युग में हिन्दी भाषा की उपयोगिता को समझना, व्यावसायभिमुख कौशल विकसित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रयास कर रहा है।

सौभाग्य से, विभाग की स्थापना के बाद से ही विभाग में शानदार शिक्षक रहे हैं। पूरे मराठवाड़ा और उसके बाहर विभाग और कॉलेज के लिए जो नाम कमाया है, वह इसका प्रमाण है। विभाग को डॉ. सुधीर वाघ और डॉ. सुनील कांबले जैसे शिक्षकों पर गर्व है। इन शिक्षकों ने पुस्तकालय को समृद्ध बनाने में भी अपना योगदान दे रहे है। हालाँकि यह सामूहिक कार्य नैतिकता है, जो विभाग की वास्तविक ताकत है या ऐसा हम मानते हैं कि विभाग अपनी शुरुआत से ही शिक्षा में अध्ययन, अध्यापन एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। यह छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को अंजाम देकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के स्तर को बढ़ाने का हमेशा प्रयास करता रहा है। यह उच्च शिक्षा प्राप्त करने में उच्च प्रदर्शन और गुणवत्ता मानकों में विश्वास करता है और अक्सर इस संबंध में अपने कदम आगे बढ़ाता है। नियमित शिक्षा के अलावा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, गांधी विचार संस्कार परीक्षा, भित्ति पत्रक , हिन्दी दिवस एवं हिन्दी पखवाडा में विविध कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को उभारने के लिए प्रसास किये जाते है। हाल के वर्षों में, विभाग ने बुनियादी ढांचे के विकास में काफी सुधार किया है। इसने नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी कंप्यूटर, लॅपटॉप, इंटरनेट कनेक्टिविटी, नवीनतम सॉफ्टवेयर और ऑडियो-वीडियो संसाधनों का उपयोग करके अध्ययन-अध्यापन का कार्य किया जा रहा है। विभाग का अपना पुस्तकालय भी है। विभाग का मानना है कि इन सभी से छात्रों को अपने भाषाई और साहित्यिक कौशल को समृद्ध करने में बहुत मदद मिलेगी। भाषा-शिक्षण की प्रविधियों में निरंतर नए प्रयोग करते हुए हिंदी विभाग विद्यार्थियों में शोध के प्रति उत्साह जगाने के लिए प्रयासरत है ।